mardi 3 avril 2012

HIN2B-09C

(Initiation à la littérature hindi moderne)

Cours-9

नई कहानी महेन्द्र फुसकेले

नई कहानी में कहानी तो होती है मगर कहानी में नई कहानी नहीं होती। नई कहानी, कहानी अर्थात पुरानी कहानी से एकदम भिन्न, कथानक में और शिल्प में भी है। अकेले शिल्प-कथोपकथन की शैली ही उसे अलग नहीं बनाती वरन नई कहानी से उसकी विषय वस्तु का परिवर्तित होना भी एक महत्वपूर्ण कारक है । ...हिन्दी साहित्य का इतिहास' में विजयेन्द्र स्नातक लिखते हैं -नई कहानी की संभावनाओं को नामवर सिंह ने परिन्दे (निर्मल वर्मा की कहानी) के आधार पर उजागर किया था और यह पहचान गलत नहीं है।' कमलेश्वर की कहानी राजा निरबंसिया में नई कहानी आंदोलन की आहट सुनाई देती है। पुरानी कहानी के सांचे को तोड़कर कमलेश्वर कहानी के कथ्य और शिल्प से नया लेखन करते हैं। नई कहानी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कथाकार मोहन राकेश हैं। कहानी 'मिस पाल'। मोहन राकेश ने नई कहानी की पूरी व्याख्यात्मक परिभाषा देते हुये लिखा है: - 'नई कहानी गांव की कहानी है, नई कहानी नये शिल्प की कहानी है, नई कहानी सहज सांकेतिकता की कहानी है, नई कहानी सामाजिक संघर्ष की कहानी है, नई कहानी साधारण परिचित जीवन की कहानी है, नई कहानी स्वच्छ पारदर्शक भाषा में लिखी जाने वाली कहानी है, नई कहानी सभी तरह की कहानी है।

'देहाती जीवन की अभिव्यक्ति और साधारण मध्यवर्गीय समाज का चित्रण जिस यथार्थ भूमि पर नई कहानी में हुआ है वह पहले नहीं हुआ था। वैसे नई कहानी को गांव की कहानी कहना उसे वस्तु-कथ्य की दृष्टि से सीमित करना है। जो सही और उचित नहीं है।' हिन्दी में नई कहानी का आंदोलन मूलत: प्रगतिशील लेखकों ने शुरु किया था। ...
नई कहानी के विख्यात समीक्षक नामवर सिंह का मत है कि 'कहानी में जो चीज पहले कथानक के नाम से जानी जाती थी, उसमें कहीं न कहीं कोई मौलिक परिवर्तन हुआ है। इसे यों भी कह सकते हैं कि कथानक की धारणा (कन्सेप्ट) बदल गई है। किसी समय मनोरंजक, नाटकीय और कुतुहलपूर्ण घटना-संघटन को ही कथानक समझा जाता था और आज घटना-संघटना इतनी विघटित हो गयी है कि लोगों को अधिकांश कहानियों में 'कथानक' नाम की चीज मिलती ही नहीं है। इसी को कुछ लोग 'कथानक' का 'ह्रास' कहते हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि ह्रास कथानक का नहीं, बल्कि 'कथा' का हुआ है और जीवन का एक लघु प्रसंग, प्रसंग खंड, मूड, विचार अथवा विशिष्ट व्यक्ति-चरित्र ही कथानक बन गया है, अथवा उसमें कथानक की क्षमता मान ली गई है। ...'

नई कहानी लिखकर पाठकों के बड़े समूह की सराहना बटोरने वाले नये कथाकार भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी, अमरकांत, काशीनाथ सिंह, भैरव प्रसाद गुप्त, मार्कन्डेय, अब्दुल बिस्मिल्लाह, स्वयं प्रकाश, रवींद्र कालिया, ज्ञानरंजन और कृष्णा सोबती की नयी पीढ़ी भी अपनी नयी कहानियों से कथा सागर में उतरे। उनकी कहानियाँ मोहन राकेश की व्याख्या के चौखटे में अवश्य फिट नहीं बैठती हैं। इनमें से ज्यादातर कहानियों में ग्रामीण परिवेश देखने में नहीं आता। शहरी मध्यवर्ग के स्त्री-पुरुषों की नितांत वैयक्तिक जिंदगी ही चित्रित हुई है। कहानी ने कुछेक नये कदम अवश्य रखे और यथार्थवादी, सामाजिक और सैध्दान्तिक दृष्टिकोण से बहुत अच्छी कहानियां हिन्दी साहित्य को दी हैं। ... नई कहानी आम आदमी की भाषा में प्रेमचंद-यशपाल-भीष्म साहनी-पुन्नी सिंह-महेश कटारे-काशीनाथ सिंह-अब्दुल बिस्मिल्लाह-कृष्णा सोबती-उर्मिला शिरीष-राजनारायण बोहरे की तरह सामाजिक न्याय, मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण का खात्मा, अंध विश्वासों, सामाजिक कुरीतियों, साम्प्रदायिक एवं वर्ण विभेद मुक्त, स्त्री-पुरुष समानता के एक नये संसार की ओर मुड़कर कथा के ताने-बाने बुनकर ही जीवित रह सकती है। नई कहानी को अब इस नई सदी तथा मोहन राकेश की अवधारणा के अनुरुप और भी नयी होना है।

Vocabulaire

अर्थात (veut dire)
भिन्न différent,
कथानक m intrigue
शिल्प m architecture, art
शिल्प-कथोपकथन m dialogue
शैली f style
विषय वस्तु f thème/contenu
परिवर्तित transformé
कारक m facteur
आधार m base
उजागर किया révélé
पहचान f signe identifiant
आहट m bruit
सांचे m moule

कथ्य m ce qui est dit
लेखन m écriture
सर्वाधिक le plus
महत्वपूर्ण important
कथाकार m conteur
व्याख्यात्मक परिभाषा f définition avec commentaire
सहज simple/spontané
सांकेतिकता f symbolisme
सामाजिक संघर्ष m lutte sociale
साधारण ordinaire
परिचित connu
स्वच्छ propre
पारदर्शक transparent
'देहाती rural
अभिव्यक्ति f expression
मध्यवर्ग classe moyenne
चित्रण m description
यथार्थ f réalité
भूमि f terrain
वस्तु-कथ्य m ce qui est dit
दृष्टि f vue
सीमित limité
सही correcte
उचित juste
मूलत: à la base
प्रगतिशील progressiste
विख्यात bien connu
समीक्षक m critique
कथानक m intrigue
मौलिक original
परिवर्तन m changement
धारणा f (कन्सेप्ट concept)
मनोरंजक divertissant
नाटकीय théâtral
कुतुहलपूर्ण curieux
घटनाf-संघटनm composition de l'événement
विघटित effrité
अधिकांश la plupart
'ह्रास' m déclin
वास्तविकता f réalité
कथानक intrigue

कथा' f histoire
लघु प्रसंग m contexte/épisode,
प्रसंग खंड m partie,
मूड m humeur,
विचार m pensée
अथवा ou
विशिष्ट particulier
व्यक्ति-चरित्र le caractère de la personne
क्षमता f capacité
समूह m groupe
सराहना f éloge
बटोरने ramasser
पीढ़ी f génération
कथाf सागरm l'océan des nouvelles
व्याख्या m commentaire
चौखटे m cadre
ग्रामीण परिवेश m environnement
शहरी urbain
नितांत absolu
चित्रित décrit
सैद्धान्तिक axiomatique
दृष्टिकोण m point de vue
सामाजिक न्याय m justice sociale
शोषण m exploitation
खात्मा m fin,
अंध विश्वास m superstition,
सामाजिक कुरीतियाँ f mauvaise traditions sociales,
साम्प्रदायिक caste/classe
वर्ण विभेद m discrimination
मुक्त libre,
संसार m monde
ताने-बाने m chaine et trame
बुनकर en tissant
अवधारणा f concept
अनुरुप selon